Association of Vapers India

avi

EST. 2016

Publication : Amar Bharti	Subject : AVI Press Confrence in Delhi
Date of Publish : 11th August 2018	Edition : National

अमर भारती
एक उम्मीद...

ई-सिगरेट पर प्रतिबंध से जन स्वास्थ्य को होगा नुकसान : सीएचआरए

नई दिल्ली,

काउंसिल फॉर हार्म रिड्यूस्ड अल्टरनेटिव्स (सीएचआरए) और एसोसिएशन ऑफ वैपर्स इंडिया (एवीआई) ने ई-सिगरेट पर प्रतिबंध को लेकर चिंता जताई है। उनका कहना है कि इससे धूम्रपान करने वाले लाखों लोग एक सुरक्षित विकल्प से वंचित हो जाएंगे। इससे सार्वजनिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक असर पड़ेगा। सीएचआरए सुरक्षित विकल्पों को अपनाकर तम्बाकू से होने वाले नुकसान को कम करने की दिशा में काम करने वाला राष्ट्रीय संगठन है। वहीं एवीआई देश भर में ई-सिगरेट का प्रतिनिधित्व करने वाला एडवोकेसी ग्रुप है।

सीएचआरए के डायरेक्टर सम्राट चौधरी ने कहा, ञ्हम नुकसान कम करने के लिए अक्सर सुरक्षित विकल्प तलाशते हैं। धूम्रपान करने वालों के लिए ई-सिगरेट वही सुरक्षित विकल्प है ञ्ज एवीआई के डायरेक्टर प्रतीक गुप्ता ने कहा कि ब्रिटेन जैसे देशों में विशेषज्ञों और सरकारों ने धूम्रपान करने वालों के बीच वैपिंग को प्रोत्साहन दिए जाने की बात को मान लिया है।

ई-सिगरेट आम सिगरेट की तुलना में ९५ प्रतिशत कम नुकसानदेह है। निकोटिन की तुलना में सिगरेट के जलने से निकलने वाले जहरीले रसायन और टार दुनिया भर में होने तम्बाकू जनित बीमारियों की मुख्य वजह हैं। ई-सिगरेट में निकोटिन तो होता है, लेकिन टार नहीं होता है क्योंकि यह जलती नहीं है। आम सिगरेट के मामले में आसपास खड़े धूम्रपान नहीं करने वाले भी पैसिव स्मोकिंग का शिकार हो जाते हैं, जबकि ई-सिगरेट में यह जोखिम नहीं रहता।